Seventeenth Loksabha

>

Title: Request government to divert thepresent train route from Jaynagar to Narkatiaganj via Muzafarnagar to a new route jaynagar to Narkatiganj via Sikta to save the distance , and to run more superfast trains.

श्री सुनील कुमार पिंटू (सीतामढ़ी) : माननीय अध्यक्ष जी, मुझे आपने शून्य काल में बोलने का अवसर प्रदान किया है, उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं । महोदय, मैं मां जगत जननी सीता (सीतामढ़ी) के प्रकट स्थली से आता हूं । मैं वहां की जनता की आवाज बनकर आपके सामने एक निवेदन रखना चाहता हूं, क्योंकि आप हमारे संरक्षक हैं । मैं चाहूंगा कि आप सरकार को मेरी इस बात पर एक उचित निर्देश देने का कष्ट करें । महोदय, नेपाल सीमा से सटे उत्तर बिहार के सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा और मोतिहारी जैसे जिलों से देश के उत्तरी-पश्चिमी भागों में जितनी भी ट्रेनें चलाई जा रही हैं, उसके मूल में उक्त इलाकों के बेशुमार रेल यात्रियों को कवर करना और आए दिन दिल्ली सहित पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों के लिए रोजी-रोटी की यात्रा पर जाने वाले लोगों को सुविधा मुहैया कराई जाती है ।

महोदय, जयनगर, दरभंगा से चलकर समस्तीपुर, मुजफ्फरनगर होते हुए नरकटियागंज जाने वाली ट्रेनों का मार्ग अगर जयनगर, दरभंगा, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज वाया सिकटा कर दिया जाए, तो यह देशहित और जनहित में होगा । यह देशहित में होगा, क्योंकि नरकटियागंज, सुगौली, रक्सौल होकर जाने में 89 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है । दरभंगा, सीतामढ़ी, रक्सौल और सिकटा होकर जाने में मात्र 41 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है । अगर ट्रेनों को इस रूट से डायवर्ट कर दिया जाए, तो ट्रेनों के समय की भी बचत होगी, रेलवे को ईधन की भी बचत होगी और यह जनोपयोगी सेवा होगी ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन है और आपसे भी यह आग्रह है कि सीतामढ़ी नेपाल का बार्डर होने के कारण देश-विदेश से जितने भी टूरिस्ट आते हैं, वे सीतामढ़ी में मां सीता की प्रकट स्थली के दर्शन के बाद जनकपुर धाम, नेपाल जाते हैं । उनको सुविधा मुहैया कराने के लिए आप अपने स्तर से रेल मंत्रालय को निर्देश देने का कष्ट करें कि दरभंगा, सीतामढ़ी, रक्सौल, सिकटा और नरकटियागंज होकर रेलमार्ग पर अधिक से अधिक सुपरफास्ट ट्रेनों को चलाया जाए । महोदय, नार्थ-ईस्ट से चलने वाली ट्रेनें और राजधानी जो दिल्ली के लिए आती है, अगर उसको दूसरे रूट से चलाया जाएगा, तो कम से कम राजधानी को तीन घंटे समय की भी बचत होगी और यह जनोपयोगी भी होगा । मेरा आपसे यह अनुरोध है कि उस रूट से ट्रेनों को चलाने हेतु आप अपने स्तर से रेल मंत्रालय को उचित निर्देश देने का कष्ट करें ।